BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (26.05.2025)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:26.05.2025, PAGE-04

एमएससी इंजीनियरिंग की डिग्री एमटेक के रूप में नहीं होगी मान्य

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की एमएससी (इंजीनियरिंग) की डिग्री को एमई-एमटेक के समक्ष नहीं माना गया है। वहीं डिस्टेंस मोड से एमटेक की डिग्री प्राप्त कर प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजों में पूर्व से नियोजित 14 संविदा सहायक प्राध्यापकों को पद के लिए योग्य नहीं माना गया है। इस आधार पर उन्हें संविदा विस्तार की प्रक्रिया से बाहर किया गया है। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में पूर्व से नियोजित संविदा सहायक प्राध्यापकों की शैक्षणिक योग्यता, नियोजन के समय अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के निर्धारित योग्यता के अनुरूप नहीं रहने के कारण इन्हें सहायक प्राध्यापक पद के लिए योग्य नहीं पाते हुए उनकी संविदा अवधि के विस्तार को नियमानुकूल नहीं पाया गया है। इसको लेकर विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर सचिव सह निदेशक अहमद महमूद ने आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी प्रदेश के सभी इंजीनियरिंग कालेजों के प्राचार्यों के साथ-साथ भूतपूर्व संविदा सहायक प्राध्यापक को भी दी गई है।

विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि ऐसे सहायक प्राध्यापकों का संविदा नियोजन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के निर्धारित योग्यता के अनुरूप नहीं रहने के कारण संविदा के आधार पर की गई सेवा भी अयोग्य है। ऐसी सेवा के लिए

नहीं पाते हुए उनकी संविदा अवधि के विस्तार को नियमानुकूल नहीं पाया गया है। इसको लेकर विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर सचिव सह निदेशक अहमद महमूद ने आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी प्रदेश के सभी

- इंजीनियरिंग कालेजों में पूर्व से नियोजित सहायक प्राध्यापक संविदा अवधि विस्तार के लिए योग्य नहीं
- डिस्टेंस मोड से प्राप्त डिग्री समेत अन्य आधार पर शिक्षकों का कार्य अनुभव प्रमाण पत्र भी किया गया रद

प्राप्त की है। इसे विभाग ने संबंधित शाखा में बीटेक और एमटेक की डिग्री नहीं माना है। विभाग ने सभी संविदा सहायक प्राध्यापकों को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग और संबंधित अभियंत्रण महाविद्यालय के प्राचार्य की ओर से निर्गत सभी कार्य अनुभव प्रमाण पत्र रद कर दिया है।

एमआइटी में संचालित होता था एमएससी इंजीनियरिंग कोर्स : एमआइटी में पूर्व में एमएससी इंजीनियरिंग कोर्स का संचालन किया जाता था। इस कोर्स की मान्यता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय से थी। इसे एमएससी इंजीनियरिंग बाय थीसिस कहा जाता था। इसमें बीटेक योग्यताधारी कोई भी व्यक्ति एमआइटी के शिक्षक को गाइड बनाकर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय

नहीं माना है। विभाग ने सभी संविदा सहायक प्राध्यापकों को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग और संबंधित अभियंत्रण महाविद्यालय के प्राचार्य की ओर से निर्गत सभी कार्य अनुभव प्रमाण पत्र रद कर दिया है।

इंजीनियरिंग कालेजों के प्राचार्यों के साथ-साथ भूतपूर्व संविदा सहायक प्राध्यापक को भी दी गई है।

विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि ऐसे सहायक प्राध्यापकों का संविदा नियोजन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के निर्धारित योग्यता के अनुरूप नहीं रहने के कारण संविदा के आधार पर की गई सेवा भी अयोग्य है। ऐसी सेवा के लिए
अनुभव प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना औचित्यपूर्ण नहीं है। संविदा सहायक प्राध्यापकों के अनुभव प्रमाण पत्र को भी अन्य संस्थानों में नियोजन के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय से एमएससी (इंजीनियरिंग) की डिग्री प्राप्त करने वाले कुल चार सहायक प्राध्यापक हैं। इसमें तीन सिविल और एक इलेक्ट्रानिक्स ब्रांच के हैं। वहीं डिस्टेंस मोड से एमटेक करने वाले कुल सात शिक्षक हैं। इसमें कंप्यूटर इंजीनियरिंग के दो, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन के तीन और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के दो सहायक प्राध्यापक शामिल हैं। इसके अलावा कई प्राध्यापकों ने बीटेक की डिग्री न लेकर एमएससी फिजिक्स और एमटेक (आइटी) की डिग्री प्राप्त की है। एक सहायक प्राध्यापक ने पटना विश्वविद्यालय से बीएससी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद बीआरएबीयू से एमएससी (इंजीनियरिंग) की डिग्री

एमआइटी में संचालित होता था एमएससी इंजीनियरिंग कोर्स : एमआइटी में पूर्व में एमएससी इंजीनियरिंग कोर्स का संचालन किया जाता था। इस कोर्स की मान्यता बीआरए बिहार विश्वविद्यालय से थी। इसे एमएससी इंजीनियरिंग बाय थीसिस कहा जाता था। इसमें बीटेक योग्यताधारी कोई भी व्यक्ति एमआइटी के शिक्षक को गाइड बनाकर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय
में रजिस्ट्रेशन कराने के कम से कम दो वर्ष बाद थीसिस जमा करने के बाद वायवा के बाद उसे डिग्री मिल जाती थी। बताया जाता है कि बाद में इसे धड़ल्ले से शुरू कर दिया गया। पूर्व में भी कई बार जब विभाग और सरकार के स्तर से कोर्स के संचालन की जानकारी मांगी गई तो कालेज और विश्वविद्यालय में यह उपलब्ध नहीं था। बताया जाता है कि जब मामला विभाग के स्तर तक पहुंचा तो इसकी खोजबीन शुरू की गई कि एमएससी इंजीनियरिंग और एमटेक की संरचना क्या है। विभाग के स्तर से इसकी जांच के लिए गठित समिति ने एमआइटी पहुंचकर जानकारी ली। जांच समिति के सदस्य ने बताया कि जांच के क्रम में न तो एमआइटी और न ही विश्वविद्यालय में संबंधित कोर्स के संचालन से जुड़ा कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराया। बाद में काफी खोजबीन के बाद एमआइटी से कोर्स से संबंधित दस्तावेज विभाग को उपलब्ध कराए गए।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:26.05.2025, PAGE-04

पैट 2023 व 2024 के लिए आनलाइन आवेदन आज से

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पैट 2023 व 2024 के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। पैट 2023 के लिए अब तक किसी कारणवश आवेदन से वंचित अभ्यर्थी आवेदन कर पाएंगे। वहीं पैट 2024 के लिए भी अभ्यर्थी भी 12 जून तक आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान ने बताया कि पोर्टल सोमवार से खुल जाएगा। जुलाई में प्रवेश परीक्षा होगी। सामान्य अभ्यर्थियों को आनलाइन आवेदन शुल्क के रूप में तीन हजार रुपये देने होंगे। वहीं ओबीसी, ईबीसी,एससी, एसटी, ईडब्ल्यूएस और महिलाओं को दो हजार रुपये का शुल्क देना होगा। सभी अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ही आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। पैट 2024 केवल उन्हीं विषयों के लिए होगा जिसमें नामांकन के लिए रिक्ति उपलब्ध होगी। पीजी में 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी पैट के लिए आवेदन कर सकेंगे। वहीं एससी, एसटी, ईबीसी,ओबीसी और अन्य कैटेगरी के अभ्यर्थियों को पांच प्रतिशत अंक की छूट प्रदान की गई है। वहीं यूजीसी सेवन प्वाइंट स्केल के आधार पर बी ग्रेड प्राप्त अभ्यर्थियों को भी इसमें शामिल होने की अनुमति होगी।

पीएचडी और शैक्षिक प्रमाण पत्र की जांच के बाद ही मिलेगा नियुक्ति पत्र

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय समेत सभी विश्वविद्यालय को मिलेंगे अंग्रेजी के 209 सहायक प्राध्यापक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरएबीयू समेत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में जल्द ही अंग्रेजी के 209 सहायक प्राध्यापक मिलेंगे। विश्वविद्यालय को 38 सहायक प्राध्यापक मिलेंगे। शिक्षा विभाग की ओर से सभी विश्विवद्यालयों को आयोग की ओर से भेजी गई सूची के आधार उम्मीदवारों की अनुशंसा भेजी गई है।

शिक्षा विभाग ने कहा है कि अभ्यर्थियों के चरित्र, शैक्षिक योग्यता, जन्म तिथि व आरक्षण कोटि से संबंधित प्रमाण पत्रों व स्वास्थ्य की जांच के बाद ही नियुक्ति की कारंवाई की जाए। जांच में किसी तरह की कोई विसंगित मिलने पर अविलंब विभाग व आयोग को अवगत कराया जाए। यूजीसी रेगुलेशन 2009 के अनुसार पीएचडी का दावा करने वालेअभ्यर्थियों की उपाधि के सत्यापन के बाद पूरी तरह संतुष्ट होने पर ही नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाएगा। सत्यापन में विसंगति मिलने पर विभाग को जानकारी देना अनिवार्य है। शिक्षा विभाग ने आयोग की अनुशंसा पर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति एवं पदस्थापन के लिए गाइडलाइन जारी किया है। एक महीने के भीतर नियुक्ति और पदस्थापन की प्रक्रिया पूरी होगी। महाविद्यालयों में किसी विषय में छात्र नामांकन नहीं रहने के बावजूद यदि शिक्षक (नियमित / अतिथि) का पदस्थापन किया जाता है तो संबंधित विश्वविद्यालय के कुलसचिव इसके लिए जिम्मेवार होंगे और उस शिक्षक को वेतन मद में भुगतान की राशि का उनसे वसूलनीय होगी।

जहां कोई शिक्षक नहीं वहां हो पहले पदस्थापन : वैसे कालेज जहां अंग्रेजी के शिक्षक नहीं है लेकिन वहां छात्र-छात्राओं का नामांकन है तो ऐसे महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों का पदस्थापन पहले होगा। संबंधित विषय में छात्रों के नामांकन की अधिकतम संख्या के अवरोही क्रम में महाविद्यालयों में शिक्षकों का पदस्थापन होगा। वैसे महाविद्यालय जहां शिक्षकों का पदस्थापन तो है लेकिन नियमित शिक्षक नहीं है और छात्र-शिक्षक अनुपात बहुत अधिक है वहां छात्र-शिक्षक (नियमित एवं अतिथि) अनुपात के अवरोही क्रम में पदस्थापित होगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:26.05.2025, PAGE-04

सत्यापन के बाद ही जारी होगा एडमिट कार्ड

परीक्षा बोर्ड के निर्णय से स्नातक, पीजी समेत अन्य कोर्स के विद्यार्थियों के लिए नई व्यवस्था

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में होने वाली किसी भी परीक्षा का एडमिट कार्ड अब एकाउंट सेक्शन (लेखा शाखा) के सत्यापन के बाद ही जारी किया जाएगा। सभी कालेजों को परीक्षा फार्म भरे जाने के बाद शुल्क विवरणी संबंधित चालान को एकाउंट सेक्शन में जमा करना होगा। इसके बाद विभाग से सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रवेश पत्र जारी होगा। यह व्यवस्था चार वर्षीय स्नातक कोर्स, तीन वर्षीय स्नातक कोर्स, पीजी स्तरीय कोर्स, वोकेशनल, बीएड, लॉ से लेकर डिप्लोमा और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए लागू होगा। परीक्षा बोर्ड ने इसकी सहमति प्रदान की है। विश्वविद्यालय की ओर से इसके लिए आदेश जारी कर सभी संभागों से लेकर अंगीभूत और संबद्ध कालेजों के प्राचार्यों को जानकारी दी गई है। पिछले दिनों कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित परीक्षा बोर्ड की बैठक में यह निर्णय हुआ है। इसके साथ ही किसी भी परीक्षा की शुरुआत होने से नौ दिन पहले ही परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि निर्धारित की गई है। अब आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय में होने वाली परीक्षाओं के लिए परीक्षा तिथि से नौ दिन पहले ही शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। अगर कोई कालेज या पीजी विभाग ऐसा नहीं करता है तो उसका एडमिट कार्ड रोक दिया जाएगा। साथ ही कई कालेजों ने अब तक छात्र-छात्राओं से रजिस्ट्रेशन मद में शुल्क ले लिया है, लेकिन अब तक विश्वविद्यालय को शुल्क उपलब्ध नहीं कराया है। इससे विश्वविद्यालय के पास रिकार्ड से मिलान करने में परेशानी हो रही है कि सत्रवार विभिन्न कोर्सों में रजिस्ट्रेशन कराने वाले विद्यार्थियों की संख्या क्या है? विश्वविद्यालय की ओर से सभी कालेजों को निर्देश जारी किया गया है कि 15 दिनों के भीतर विभिन्न कोर्स में लंबित रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करें। अगर कालेजों की ओर से ऐसा नहीं किया जाता है तो नए सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए रजिस्ट्रेशन रोक दिया जाएगा। परीक्षा विभाग की ओर से सभी कालेजों को इसका पत्र जारी किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान ने कहा कि परीक्षा बोर्ड में इसका निर्णय हुआ है।

- परीक्षा शुरू होने के नौ दिन पहले निर्धारित की जाएगी परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि
- परीक्षा फार्म भरे जाने के बाद शुल्क विवरणी संबंधित चालान एकाउंट सेक्शन में करना होगा जमा

रिजल्ट जारी हो गया, नहीं जमा किया शुल्क

परीक्षा शुल्क जमा करने में कालेजों की आनाकानी पिछले कई महीनों से जारी है। कई सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम तक जारी हो गया है, लेकिन अब तक महाविद्यालयों ने परीक्षा शुल्क का ब्योरा उपलब्ध नहीं कराया है। करीब दो दर्जन से अधिक कालेजों को विश्वविद्यालय ने चिह्नित करते हुए पिछले दिनों कार्रवाई की चेतावनी दी थी। इन कालेजों का नाम नामांकन पोर्टल से हटाए जाने का भी निर्णय हुआ था। इसके बाद कालेजों ने शुल्क भेजा था। टीडीसी पार्ट टू की स्पेशल परीक्षा, चार वर्षीय स्नातक कोर्स के तहत सत्र 2023-27 में नामांकित प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय सेमेस्टर और तृतीय सेमेस्टर के साथ ही सत्र 2024-28 में नामांकित प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों से भी परीक्षा शुल्क तो वसूला है, लेकिन इसे विश्वविद्यालय में जमा नहीं कराया है। इसमें सत्र 2023-27 में नामांकित विद्यार्थियों के फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड सेमेस्टर का रिजल्ट जारी किया जा चुका है।

रिकार्ड मिला नहीं, एडमिट कार्ड हो जाता जारी : विभाग में छात्रों के परीक्षा शुल्क की जानकारी उपलब्ध नहीं होती थी। बावजूद यूएमआइएस सेक्शन से कई परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी किया जाता रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि छात्र परीक्षा में शामिल होते गए। रिजल्ट प्रकाशित होता गया, लेकिन विश्वविद्यालय को परीक्षा शुल्क प्राप्त नहीं हुआ।

पिछले दिनों मामला सामने आने के बाद परीक्षा विभाग के स्तर से जांच की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। बताया जाता है कि यूएमआइएस से संबंधित रिकार्ड विभाग को उपलब्ध नहीं कराया गया। दूसरी ओर एडमिट कार्ड जारी करने में यूएमआइएस की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 26.05.2025, PAGE-04

दिये आवेदन का क्या हुआ, यह घर बैठे जान सकेंगे छात्र

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- आवेदनों का स्टेटस ऑनलाइन ही पता चल जायेगा, दोहरी प्रक्रिया से मिलेगी छुट्टी
- डिग्री के लिए ऑनलाइन आवेदन के बाद प्रति ऑफलाइन में जमा करना होता है
- पोर्टल पर ही कागजात करा लेंगे जमा, यहीं से सत्यापन कर बना दी जायेगी डिग्री

बीआरएबीयू की ओर से छात्र-छात्राओं की समस्या को दूर करने के लिए पोर्टल बनाया जायेगा. इसका फायदा उन विद्यार्थियों को होगा जो समस्याओं को लेकर विवि पहुंचते हैं. और फिर उसका स्टेटस जानने के लिए विवि का चक्कर काटते हैं.

नये इंतजाम से उन्हें इससे छुट्टी मिल जायेगी. पोर्टल पर ही आवेदन का स्टेटस पता चल जायेगा.आवेदन किस स्तर पर पेंडिंग है और कबतक काम हो जायेगा, इसकी संभावित तिथि भी पोर्टल पर दिख जायेगी.

दोहरी प्रक्रिया से परेशान नहीं होंगे: सबसे अधिक फायदा डिग्री के लिए दोहरी प्रक्रिया से परेशान विद्यार्थियों को होगा.अब तक विवि में डिग्री के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उसकी पावती के साथ अंकपत्र, रजिस्ट्रेशन व अन्य कागजात के साथ विवि के काउंटर पर ऑफलाइन प्रक्रिया करनी होती है. आवेदन की रिसिविंग तो मिल जाती है, लेकिन बाद में जब उसका स्टेटस पता करने विद्यार्थी आते हैं तो कई बार आवेदन ही नहीं मिलता.

ऐसे में डिग्री के लिए अब पोर्टल पर आवेदन लेने के समय ही सारे कागजात ऑनलाइन मोड में ही अपलोड करा लिये जाएंगे. उनका सत्यापन भी ऑनलाइन ही कर लेंगे. इससे कम समय में सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो जायेगी. साथ ही छात्र-छात्राओं के रिजल्ट में किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलेगी तो उसे रिमार्क्स में दर्ज किया जायेगा.

डाक से डिग्री भेजने की व्यवस्था विश्वविद्यालय में नहीं हो सकी लागू

विवि के पोर्टल पर डिग्री के लिए आवेदन करते समय डाक से डिग्री प्राप्त करने का विकल्प दिया जा रहा है. इसपर क्लिक करने के बाद आवेदक का पता लिया जाता है. डाक से डिग्री भेजने का शुल्क भी 200 रुपये लिया जाता है, लेकिन डाक से डिग्री नहीं भेजी जाती. प्रदेश से दूर रह रहे विद्यार्थियों को डाक का शुल्क देने के बाद भी विवि व कॉलेजों का चक्कर लगाकर डिग्री प्राप्त करना पड़ता है. परीक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में डाक विभाग के साथ समन्वय किया गया था, लेकिन बात नहीं बनी. यही वजह है कि डाक से डिग्री भेजने की व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है.

कई जिलों से पहुंचते हैं छात्र-छात्राएं : बेतिया, मोतिहारी, बगहा, सीतामढ़ी, वैशाली व शिवहर समेत मुजफ्फरपुर के सुदूरवर्ती इलाकों से डिग्री व अन्य समस्याओं को लेकर प्रतिदिन विद्यार्थी विवि पहुंचते हैं. यहां आवेदन करने के बाद जब वे बाद में आते हैं तो उन्हें पता चलता है कि परिणाम में कोई गड़बड़ी थी. इस कारण प्रमाणपत्र नहीं बन सका है.पोर्टल पर आवेदन की स्थिति दिखने से इन विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा.परीक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि इसका प्रस्ताव तैयार किया गया है. वीसी से अनुमति लेकर शीघ्र इसपर काम शुरू किया जायेगा.

□ खबर वेबसाइट पर पढ़ने को स्कैन करें.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:26.05.2025, PAGE-04

पैट 2023-2024 के लिए आज से आवेदन

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू से पीएचडी के दो सत्रों में दाखिला लेने के लिए सोमवार से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी. पैट- 2023 और 2024 के लिए एक साथ आवेदन लिया जाएगा. दोनों सत्रों के लिए अलग-अलग रिक्ति रहेगी. इसके लिए सभी पीजी विभागों से रिक्ति मांगी गयी है. उसे समेकित कर पोर्टल पर डाला जाएगा. जिन विषयों में रिक्तियां रहेंगी. उन्हीं में आवेदन का मौका दिया जाएगा. पैट का आयोजन जुलाई में किया जाना है. 2023 सत्र के लिए पूर्व में भी आवेदन लिया गया था. कुछ विद्यार्थी आवेदन से वंचित रह गए थे. ऐसे में इस सत्र के लिए भी पोर्टल खोला जाएगा. विश्वविद्यालय ने पीएचडी के बेपटरी हो रहे सत्र को ट्रैक पर लाने के लिए एक साथ दोनों सत्र की परीक्षा लेने का निर्णय लिया है.

वोकेशनल कोर्स के लिए आज से भरा जायेगा परीक्षा फॉर्म

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के विभिन्न कॉलेजों और पीजी विभागों में संचालित वोकेशनल कोर्स की परीक्षा को लेकर फॉर्म भरने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी. इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में ही दिशानिर्देश दिया जा चुका है. 3 जून तक बिना विलंब शुल्क के और इसके बाद चार से छह जून तक 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरने का मौका मिलेगा. सभी कॉलेजों व विभागों को कहा गया है कि 11 जून तक हर हाल में परीक्षा शुल्क और फॉर्म का विवरण विभाग में जमा करा दें. इसके बाद परीक्षा का कार्यक्रम जारी किया जाएगा. परीक्षा से एक सप्ताह पूर्व एडमिट कार्ड जारी किया जाएगा.

जन्मतिथि, आरक्षण प्रमाणपत्र व अनुभव प्रमाणपत्रों की गहनता से जांच के निर्देश

कागजातों की जांच के बाद ही नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू समेत प्रदेश के 12 विश्वविद्यालयों के तहत आने वाले कॉलेजों में अंग्रेजी विषय के लिए रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए 209 अभ्यर्थियों की अनुशंसा उपलब्ध कराई गयी है. बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से सफल सहायक प्राध्यापकों की अनुशंसा की गयी है. इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव को पत्र भेजा है. सरकार के उन सचिव अमित कुमार पुष्पक की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कुलसचिव अनुशंसित अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की गहनता से जांच कराएं. संतुष्ट होने के बाद ही उन्हें नियुक्ति पत्र जारी करें. विशेषकर जन्म प्रमाणपत्र, अनुभव प्रमाणपत्र और आरक्षण प्रमाणपत्र की जांच करें. इसके साथ ही चरित्र व वृत्त की भी जांच की जानी है.

प्राथमिकता वहां, जहां नियमित शिक्षक नहीं : जांच के दौरान किसी तरह की विसंगति पाए जाने पर अविलंब विभाग व आयोग को सूचित करने को कहा गया है. उप सचिव ने कहा है कि जिन अभ्यर्थियों ने यूजीसी रेगुलेशन-2009 के तहत पीएचडी का दावा किया है. उनकी उपाधि का सत्यापन कर संतुष्ट होने पर ही नियुक्ति पत्र दें. इसके साथ ही विश्वविद्यालयों को दिशा-निर्देश दिया गया है. कहा है कि सबसे पहले उन कॉलेजों में इन सहायक प्राध्यापकों का पदस्थापन करें जहां छात्रों का नामांकन हो पर कोई नियमित या अतिथि शिक्षक पदस्थापित न हों. अंग्रेजी में छात्रों के नामांकन की अधिकतम संख्या के अवरोही क्रम में महाविद्यालयों में शिक्षकों का पदस्थापन किया जाना है. इसके बाद वैसे कॉलेजों को प्राथमिकता दी जानी है जहां नियमित शिक्षक नहीं हैं या छात्र-शिक्षक अनुपात बहुत अधिक है. जिन कॉलेजों में अंग्रेजी में कोई छात्र नामांकित नहीं होंगे वहां शिक्षक का पदस्थापन नहीं किया जाएगा. बिना नामांकन वाले कॉलेज में शिक्षक के पदस्थापन की स्थिति में कुलसचिव के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गयी है. ऐसी स्थिति में शिक्षक के वेतन मद में भुगतान की गयी राशि कुलसचिव से वसूल की जाएगी.

समाप्त हो जायेगी अतिथि शिक्षक की सेवा : उप सचिव ने कहा है कि नियमित शिक्षक के पदस्थापन हो जाने पर अतिथि शिक्षक की सेवा स्वतः समाप्त हो जायेगी. किसी भी स्थिति में छात्र का नामांकन नहीं रहने पर स्वीकृत पद के विरूद्ध नियमित शिक्षक के साथ-साथ अतिथि शिक्षक का पदस्थापन नहीं किया जायेगा. किसी भी सत्र विशेष में यह स्थिति उत्पन्न होने पर विवि रेशनालाइनज करेगी.

□ खबर वेबसाइट पर पढ़ने को स्कैन करें.

फर्जी तरीके से शिक्षकों का नियोजन कर विभाग ने कर दिया भुगतान

दरभंगा. जिला परिषद अध्यक्ष सीता देवी ने डीइओ को पत्र लिखा है. कहा है कि विभिन्न पंचायत में शिक्षकों का फर्जी नियोजन कर स्थापना शाखा की मिलीभगत से भुगतान हो रहा है. भुगतान पाने वाले ऐसे शिक्षक विद्यालय में नहीं है. पिछली तिथियों में योगदान करा बकाया सहित भुगतान कर दिया गया है. इसकी उच्च स्तरीय जांच की जरूरत है. अगर जांच करायी जाए तो अन्य प्रखंडों से भी बड़ी संख्या में फर्जी शिक्षक नियुक्ति का मामला सामने आ सकता है. इस बाबत जिप अध्यक्ष कुछ प्रखंड एवं पंचायत की सूची भी डीइओ को उपलब्ध कराई है. कुछ फर्जी शिक्षकों ने नियोजन इकाई में सामंजन भी अन्य विद्यालयों में कर लिया है. बहेड़ी प्रखंड के पंचायत रमौली गुजरौली, हरच्चा, अटहर उत्तरी एवं दक्षिणी, हातीडीह उत्तरी, दक्षिणी एवं मध्य पंचायत के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में ऐसे शिक्षक हैं. इसी प्रकार बहादुरपुर प्रखंड के पंचायत बिउनी अंदामा, दिलावरपुर मेकना बेदा, कुशेश्वरस्थान पूर्वी पंचायत के कुशेश्वरस्थान उत्तरी आदि पंचायत के विभिन्न विद्यालयों में फर्जी शिक्षक कार्यरत हैं.

युद्ध व डिफेंस टेक्नोलॉजी से जुड़े सवाल थे प्रश्नों का हिस्सा

यूपीएससी

□ पिछले साल की तुलना में आसान थे प्रश्न

संवाददाता, पटना

यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा रविवार को शहर के 91 सेंटरों पर हुई. परीक्षा में 44 हजार 63 परीक्षार्थी शामिल होने वाले थे, लेकिन करीब 20 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी. प्रारंभिक परीक्षा में पहला पेपर जनरल स्टडीज और दूसरा पेपर सीसैट का हुआ. पहला पेपर सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक चला. वहीं, दूसरा पेपर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक चला. परीक्षा को लेकर सभी सेंटरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे. कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थी अपर्ण मुकुंद ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार का प्रश्न आसान रहा. मॉडर्न हिस्ट्री से काफी प्रश्न पूछे गये थे. डिफेंस टेक्नोलॉजी पर कई सवाल इस बार पूछे गये. इसके साथ युद्ध पर आधारित प्रश्न भी पूछे गये.

जिसने गहराई से पढ़ा, उनकी परीक्षा गयी बेहतर : मगध महिला कॉलेज परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थी पंकज सिन्हा ने कहा कि पूर्व के वर्षों से इस वर्ष अलग प्रश्न पूछे गये. सभी प्रश्न एनसीइआरटी से पूछे गये. करेंट अफेयर्स की संख्या भी इस बार ठीक थी. परीक्षा में साइंस और टेक्नोलॉजी के साथ-साथ इकोनॉमिक्स के प्रश्न आसान से मध्यम कैटेगरी के पूछे गये थे. आरती कुमारी ने बताया कि इकोनॉमिक्स सेक्शन में, अधिकांश प्रश्न स्टैटिक मुख्य भाग से पूछे गये थे. केवल कुछ प्रश्न करंट अफेयर्स से पूछे गये थे. भूगोल और इकोनॉमिक्स सेक्शन मुश्किल था. इसी के साथ पहले ही तुलना में इस बार परीक्षा की लैंग्वेज आसान की गयी है. अन्य उम्मीदवारों ने बताया कि यूपीएससी सीएड का पेपर पिछले साल की तुलना में दोनों पेपर आसान था.